राज
कॉमिक्स
संख्या 2557
महामानव
की गवाही
RAJ COMICS
राज
कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA
सुपर कमांडो
ध्रुव
अनुपम
मैंने मारा ध्रुव को
और
हत्यारा कौन
अतिरिक्तांक

पूर्वसार
सुपर कमांडो ध्रुव मारा गया! किसने मारा, कैसे मारा? कोई नहीं जानता! मगर दावा हर कोई
कर रहा है कि मैंने मारा ध्रुव को! कारण था एक रहस्यमय पात्र
कंकालतंत्र, जो जानना चाहता था कि वास्तव में सदी के
सबसे बड़े महानायक का हत्यारा आखिर है कौन? और
तब बैठी 'क्राईम कोर्ट' ताकि दूध का दूध और पानी का
पानी किया जा सके! और जो खुद को ध्रुव
का हत्यारा साबित कर देता उसे मिलनी
थी पूरी दुनिया पर राज करने लायक
शक्ति! उसके बाद शुरू हुआ एक के
बाद एक गवाहियों का सिलसिला! सबने
सुनाई अपनी कहानी कि कैसे उन्होंने ध्रुव
को मौत के घाट उतारा। उनकी
गवाहियों को कंकालतंत्र के रोबोट
बायोट्रॉन ने साबित कर दिया झूठा!
अभी ध्वनिराज, बौना वामन और
ब्लैककैट की गवाहियां हुई ही थीं
कि क्राईम कोर्ट में कदम रखा उस
जलजले ने जिसे दुनिया
'महामानव' के नाम से जानती
है! उसके आने का मकसद
था ध्रुव को मारने का श्रेय
लेने वाले झूठों को ऊपर का रास्ता दिखाना। क्योंकि महामानव
के अनुसार ध्रुव को उसने मारा था और कोई और उसे मारने
का श्रेय ले उसे यह हर्गिज मंजूर नहीं था! लेकिन
इससे पहले कि वह क्राईम कोर्ट में बैठे सभी
महाखलनायकों को
खत्म कर देता
कंकालतंत्र ने उससे
अपनी गवाही देने
का अनुरोध किया!
महामानव के लिए क्राईम
कोर्ट जैसी चीज मायने ही नहीं
रखती थी इसलिए उसने अपने विवरण
को गवाही मानने से इनकार कर दिया और बताया कि
आखिर उसने ध्रुव को कैसे मारा?
महामानव
की गवाही

मध्यांतर के बाद-
अब तुम्हारी बैटरी पूर्ण रूप से चार्ज है बायोट्रॉन! अगली गवाही के लिए महाखलनायक....
एक मिनट, एक मिनट!
कब से ढूंढ़ रहा हूं मैं इस 'संत समागम' को!...
...पर तुम लोग तो इतनी पर्तों के अंदर छुपे हो, जितनी प्याज में भी नहीं होतीं।
ओऽऽ! तुममें से कई लोग मुझे जानते नहीं हो।
आप कौन हैं, श्रीमान्?
दरअसल कीड़ों से मैं जान पहचान नहीं करता, सिर्फ उन्हें मसलता हूं!
और आपने इस अत्यंत गुप्त कक्ष को कैसे ढूंढ़ निकाला?
आज भी यहां पर मैं तुम सब कीड़ों को मसलने ही आया हूं जो ध्रुव को मारने का दावा कर रहे हैं।
शांत हो जाइए, श्रीमान! पहले अपना परिचय तो दीजिए, फिर मसलने की प्रक्रिया शुरू कीजिएगा।
महामानव हूं मैं! मानव के विकास की अंतिम सीमा।
मानव मस्तिष्क इस स्तर से ऊपर नहीं जा सकता।
फिर भी उस लड़के ने मुझे मात दे दी जिसकी मौत के श्रेय का लड्डू खाने को तुम सब यहां पर बैठे हुए हो।
जबकि सच तो यह है कि उसकी जान मैंने ली है।
महाशक्तिशाली महामानव ने!
यह महानमूना आखिर है कौन?
श्रीमान महामानव का जिक्र U.N. की क्लासिफाईड फाईल्स में है। परंतु इनका कोई चित्र नहीं है।

अगर आप हमें मसलने से पहले अपनी गवाही देने की कृपा करें, तो हमें अत्याधिक प्रसन्नता होगी, श्रीमान महामानव!
गवाही? जब मैं ऐसी अदालत को ही नहीं मानता तो गवाही कैसी, मूर्ख?
चलिए, श्रीमान, हम इसे गवाही नहीं, एक कहानी समझकर सुन लेते हैं। आपके वृतांत को हम गवाहियों में शामिल नहीं करेंगे।
मरने वालों की आखिरी ईच्छा मैं जरूर पूरी करता हूं, तो सुनो...
अपने लाखों वर्षों के जीवन में मुझे एक ही इंसान ने मात दी है।
सुपर कमांडो ध्रुव ने!

उसने मुझे खौलते लावे में गिराकर तो मेरा अंत ही कर दिया था।
क्योंकि गर्मी से मेरी मानसिक शक्ति एक बच्चे से भी गई गुजरी हो जाती है।
वह तो भला हो मेरी बची-खुची मानसिक ऊर्जा का जिसने मुझे अपने कवच में सुरक्षित रखा था।

पर मेरा दिमाग उस लावे से भी ज्यादा खौल रहा था! आखिर एक प्रगैतिहासिक दिमाग मुझे भला कैसे मात दे सकता था? मैं उसको अपनी चुटकी में पकड़कर मसलने के लिए बेताब हो रहा था। पर बेतहाशा ऊष्मा ने मुझे बंदी बना कर रखा था।
तभी न जाने कहां से उस ऊर्जा का मुझसे संपर्क हुआ। किसी मानसधारी की शक्ति का सिर्फ एक अंशमात्र थी वह ऊर्जा। पर उतनी ही मानसिक ऊर्जा ने मुझे इतनी शक्ति दे दी कि मैं...

...एक जलगत ज्वालामुखी को फोड़कर बाहर आ सकूं।

सतह पर आते ही मुझे वह शिप नजर आई!
SENYOR
जिसमें सर्कस के कुछ कलाकारों और जानवरों को भारत ले जाया जा रहा था।
उन्होंने मुझे बौने जोकरों जैसा अजूबा समझ अपने साथ ले लिया।

वहीं पर मुझे ध्रुव के बारे में काफी कुछ जानने को मिला। दुनिया भर के सर्कस के लोगों के बीच भगवान की तरह पूजा जाता था वह।
COOLING
पर मुझे तो ठीक से सोचने के लिए भी ठंडा माहौल चाहिए था।
और वह जगह जल्दी ही मुझे मिल गई।

उस कूलिंग क्यूबीकल में जिसमें उत्तरी ध्रुव से लाई गई पेंगुइन्स को रखा गया था।
अब मेरे दिमाग ने थोड़ा-थोड़ा काम करना शुरू कर दिया था।

मैं जानता था कि मेरी मानसिक शक्तियों को अपने पुराने स्तर पर आने में समय लगेगा। और उस दौरान कुछ भी हो सकता था।
मैं फिलहाल सिर्फ जानवरों जैसे क्षीण मानसिक स्तर वाले दिमागों को ही कंट्रोल कर सकता था।
और अब उनकी मदद से ही मुझे सबसे पहले उससे निबटना था...

...जो मेरी इस कमजोर हालत में मेरे लिए खतरा बन सकता था।
इस मैच में तुम्हारे शामिल होने से हिंदुस्तान में इस खेल को बहुत बढ़ावा मिलेगा, ध्रुव!
हम तुम्हारा जितना शुक्रिया अदा करें वह कम है।
हालांकि मुझे तुमसे एक शिकायत है।
WORLD C
IERS
STADIUM
वह क्या?
कि तुम खेल में शामिल नहीं हो रहे हो।
10
REFRE
LEVIN
वर्ना यह गेम अभूतपूर्व...

...बन...जाता... हैंSSS!

कैप्टेन!

बचो!
यह क्या अजूबा है? अब क्या आसमान से.. हाथी बरसेंगे।
यह कवच! यह सामान्य नहीं लगता।
इस हाथी को किसी खास मकसद से भेजा गया है।
...और इसे मैंने भेजा है!
कौन है यह जिसने मेरा दिमाग...

...पढ़ लिया! महामानव! तुम... तुम ज्वालामुखी के लावे की कैद से आजाद कैसे हो गए?
यह तो मैं खुद भी नहीं जानता।
पर यह जान ले कि कोई भी कैद मुझे तुझे मौत देने से रोक नहीं सकती।
लगता है तुम अपना होमवर्क करके नहीं आए हो, महामानव!...

...वर्ना तुम जानते होते कि यह बेजुबान ध्रुव के दुश्मन कभी नहीं हो सकते।
आह!!!
ध्रुव की वह चीख मेरे कानों में संगीत सी बज उठी। पर अभी तो ऐसी चीखें और सुननी थीं मुझे।

गोलियां मेरे वश में आ चुके हाथी के मानसिक कवच को पार नहीं कर सकती थीं।
ध्रुव को मरना ही था। पर मुझे हराने वाला इतनी जल्दी भला कैसे मर सकता था।

ओ! ओ! ओ! एक बात तो मैं बताना भूल ही गया! ऐसे ही तुम्हारे दो और बेजुबान दोस्त तुम्हारी बहन श्वेता और बाप राजन मेहरा के पीछे लगे हैं।
एक 2000 पाउंड का शेर है और दूसरा 7000 पाउंड का गैंडा।

ध्रुव का दिमाग चिंता में उलझा दिया था मैंने। बचाव के उपाय सोच पाना उसके लिए मुश्किल था।
श्वेता! तू कहां है? तू किसी खतरे में तो नहीं है?
मुसीबत में तो पापा का यह सरकारी बंगला है। करीम जैसी पर्सनेलिटी वाला कोई प्राणी इस पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।
और पापा-मम्मी बाहर गए हुए हैं। एयर फोर्स डे पर चीफ गेस्ट बनकर।
तू.. तू बस वहां से बाहर निकल। वह... गैंडा तेरा पीछा करेगा। उससे बचते रहना और अब ध्यान से सुन...
पता नहीं ध्रुव अपने बचकाने स्टार में क्या फुसफुसा रहा था। मेरा ध्यान तो फिलहाल...
...उस हाथी को और खूंखार बनाने में लगा था।
आऽऽह! इस पर तो कोई भी वार असर करेगा ही नहीं। चाहे मैं कितनी तर-कीब लगा लूं।
आऽऽह! इसे थोड़ा उलझाना होगा।...
ताकि मुझे अपनी योजना पर काम करने का मौका मिल सके।
और इसमें मेरी मदद करेगी यह फुटबॉल मशीन, जिसका प्रयोग खिलाड़ियों और गोलकीपर को ट्रेन करने में किया जाता है।

अब इसका गुस्सा भड़केगा!

चिंघांss!
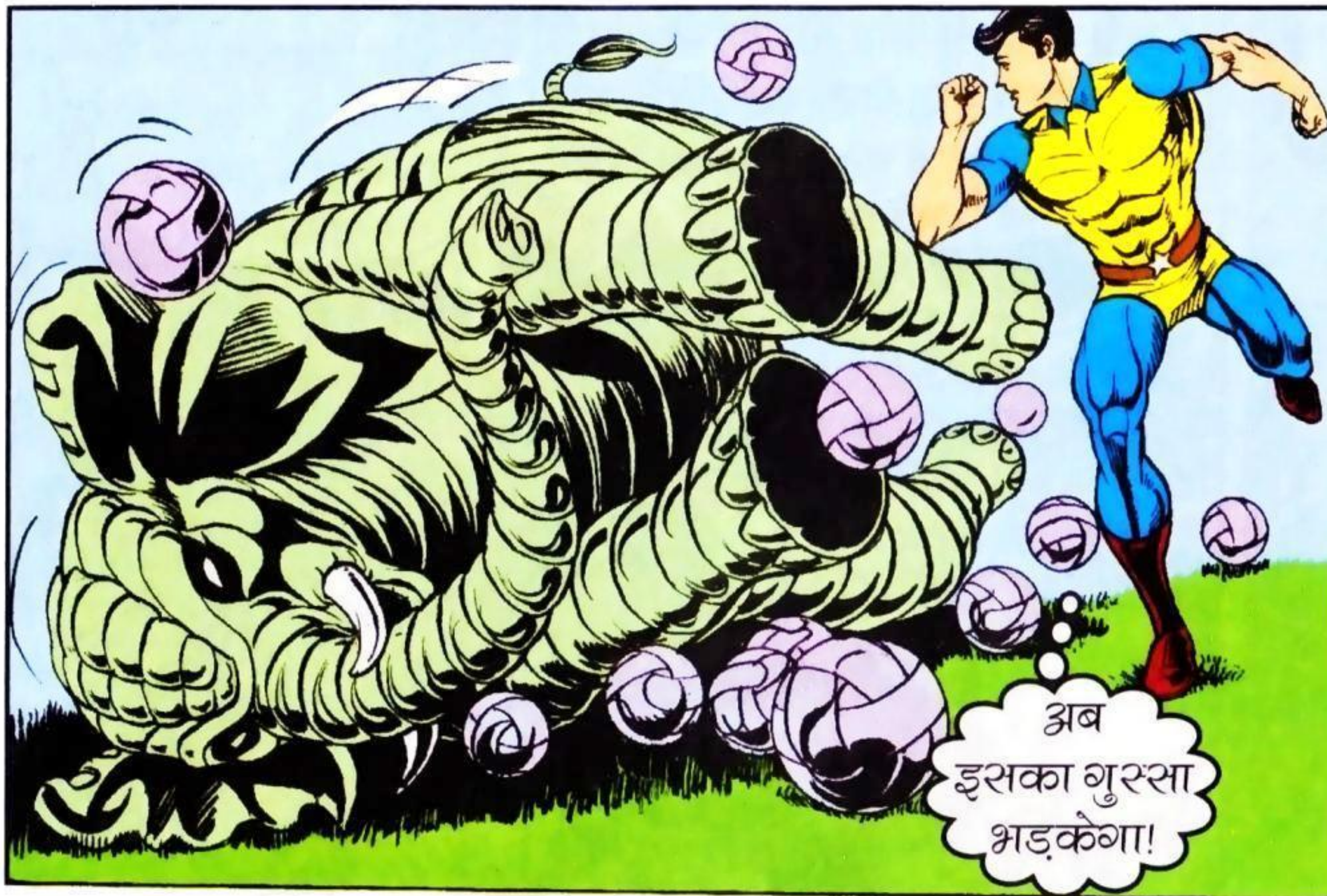
कोई योजना बनाई थी उसने। पर मैं उसका दिमाग पढ़ पाने में असमर्थ था अपना सारा ध्यान उन जानवरों को कंट्रोल करने में जो लगाना पड़ रहा था।
शायद बचने की आखिरी कोशिश कर रहा था।
लेकिन साथ ही साथ एक और आश्चर्यजनक चीज हो रही थी।

मुझमें वह ऊर्जा बढ़ती हुई महसूस हो रही थी जिसने मुझे लावे से बाहर निकलने में मदद की थी।
यह न ध्रुव के लिए अच्छी खबर थी और न ही उसके परिवार के लिए। उसकी बहन मौत के ज्यादा करीब थी।
महामानव... यानि मेरे क्रोध से उनको कोई नहीं बचा सकता था।
सिवाय खुद महामानव के।

और उस दुष्ट ध्रुव का दिमाग बिल्कुल यही कर रहा था।
वह मेरी शक्ति को मेरी ही शक्ति से टकराने जा रहा था।
उस टक्कर के वेग से तो मेरा दिमाग तक पलभर के लिए बुरी तरह से झनझना गया।
जरा सोचो उस बेचारे हाथी और गैंडे का क्या हाल हुआ होगा। तुरंत बेहोश हो गए थे दोनों।

पर इस मामूली सफलता ने उस लड़के का दिमाग सातवें आसमान पर पहुंचा दिया था।
अच्छा वार किया तूने! पर अपने मां-बाप को मेरे शेर से कैसे बचाएगा?
बचना तो अब तुम्हें है, महामानव!
अपने उस शेर को तुरंत रोक दो, वर्ना मैं तुम्हारा यह उड़न किला तोड़कर तुम्हारे दिमाग की गर्मी निकाल दूंगा।
हाहाहा। इस कूलिंग एनक्लोजर तक तो न्यूक्लियर मिसा-इल भी नहीं पहुंच सकती, बच्चे।
गीदड़ भभकी मत दो।
मैं तो सिर्फ तुम्हें सावधान कर रहा था। खैर, जैसी तुम्हारी मर्जी।
स्वीऊंऽऽऽ! क्ककककक क्वक!

उस आवाज का मतलब मैं तो नहीं। पर वे पेंगुइन्स जरूर समझ गईं। और मैं एक सेकेंड में अपनी गलती समझ गया।
मैंने पेंगुइन्स को निरीह समझकर और अपने साथ रखकर एक भयानक भूल कर दी थी। क्योंकि ध्रुव चिड़ियों से बात कर सकता था।
मेरे कुछ समझ पाने से पहले ही उन पेंगुइन्स ने, बिजली की सी फुर्ती से कूलिंग एनक्लोजर के कंट्रोल्स को ऑफ कर तोड़ डाला था।
उस बंद डिब्बे में गर्मी और घुटन तेजी से बढ़ने लगी थी।

अब उसे तोड़ना ही एकमात्र उपाय था। ठीक वैसा ही हुआ जैसा वह दुष्ट लड़का चाहता था।
अब मैं एक बार फिर ध्रुव के हाथों से मात खाने ही वाला था क्योंकि बाहर चमकता सूर्य मेरा हाल फिर से बेहाल करने वाला था।

लेकिन किस्मत इस बार मेरे साथ थी।
अरे! मेरी मानसिक ऊर्जा तो इस बार गर्मी में भी बरकरार है।
अच्छा किया कि तूने मुझसे यह डिब्बा तुड़वा दिया। वर्ना मुझे कभी पता ही नहीं चलता।
अरे! भागता कहां है? थैंक्यू तो लेता जा मेरा।
अब तो पापा मम्मी को मुझे ही बचाना पड़ेगा, श्वेता!
मैं भी चलूंगी। शेर, कॉक्रोच जितना डरावना थोड़े ही होता है।
ठीक है, बहादुर बहन, मान गया।
पर फिर भी तू घर जा।

राजनगर एयर बेस-
यह है क्या चीज और यह यहां पर टपका कहां से है?
गोलियों पर तो यह ध्यान तक नहीं दे रहा है।

सभी पीछे हट जाएं। हम 'एयर स्ट्राइक' करने जा रहे हैं।
टार्गेट लॉक्ड! स्ट्राईक वन सक्सेसफुल!! टार्गेट...

...डेस्ट्रॉएड ...कर्रर्रर्र आऽऽऽह!
ओ माई गॉड!
यह शेर है या शेर का भूत!
है तो यह शेर ही, पापा! लेकिन किसी भूत से कम नहीं है।
आप सब लोग पीछे हट जाइए।
मैं इससे बात करके शांत करने की कोशिश करता हूं।
गुर्रर गुर्र गुर्रर्र
आऽऽऽह!
हाहाहा! यह बातचीत में नहीं, तुम्हारा खून पीने में दिलचस्पी रखता है।
महामानव की शक्तियां गर्मी में भी बरकरार हैं, बल्कि उल्टे वे शक्तियां बढ़ रही हैं। कैसे?
अब यह तारीफ नहीं, सच्चाई है।
उसने डटकर मुकाबला करने की ठान ली थी।
शायद पेंगुइन्स ने उसे बता दिया था कि वे सभी जानवर सर्कस के हैं।

तभी तो उसने शेर की कमजोरी का फायदा उठाया। जलते छल्ले को देखकर शेर के अंदर उसके पार कूदने की ईच्छा जाग उठी।
और वह ध्रुव की चाल में या कहो, पिघलते टायर में फंस गया।
ग र्र्र र्र्र र्र्र
पर एक कमी रह गई थी। टायर में सिर्फ उसके अगले पंजे फंसे थे।
ध्रुव, अपने ही जाल में फंस गया था।
अब किसी भी क्षण शेर उसका सिर चबाने वाला था।
लेकिन तभी वह हुआ जिसकी मैं कल्पना तक नहीं कर सकता था।
मेरे मानसिक कवच को कागज की तरह काट डाला था उस खड्ग ने।
पर खड्ग था तो कोई उसे चलाने वाला भी होना चाहिए था।
और तब बाहर आया वह शख्स जो शायद मेरी जान भी था और मेरी मौत भी।
किसने किरीगी की यौगिक शक्तियों को खींच कर उनका प्रयोग ध्रुव पर करने का साहस किया है।
किरीगी! निंजा किरीगी! तुम यहां पर कैसे?
उधर हिमालय पर मानवों की आवाजाही बढ़ गई है। उससे मेरी साधना में व्यवधान पड़ रहा था, तो मैं हिमा-लय की एक भूमिगत कंदरा में चला गया था!

वहां साधना के दौरान मुझे अपनी बूंदभर शक्ति खिंचती सी महसूस हुई। मैंने ध्यान नहीं दिया।
लेकिन फिर मुझे आभास हुआ कि कोई उसका प्रयोग तुम्हें मारने के लिए कर रहा है।
तो मैं तुरंत यहां के लिए रवाना हो गया।
किरीगी नाम था उसका। और यह उसी की ऊर्जा थी जिसने पहले मुझे ज्वालामुखी से आजाद किया था। और फिर उस ठंडे बक्से से।
ओऽऽ! यानि तुम पास आते जा रहे थे और मेरी तुमसे ऊर्जा खींचने की गति बढ़ती जा रही थी।
और यही ऊर्जा मुझे गर्मी में भी पूर्ण चैतन्य रहने की शक्ति प्रदान कर रही थी। और अब तुम मेरे सामने आ गए हो!! वाहऽऽ!
मैं जितनी पास आऊंगा, तेरे प्राण उतनी ही जल्दी निकलेंगे।
गलत! मेरे अतिविकसित मस्तिष्क के आगे तेरा दिमाग कुछ भी नहीं है, निंजा!
मैं तेरी शक्तियां इतनी आसानी से खींच सकता हूं जैसे स्ट्रॉ से शर्बत!
आऽऽह! यह तो... बहुत...शक्ति-शाली है। मैं.. नियंत्रण खो.. रहा हूं।
किरीगी असावधान था। वह आसानी से मेरे कब्जे में आ गया था।
मेरी शक्तियां अब ऐसे बढ़ रही थीं मानो समुद्र में सुनामी आ गई हो। सूर्य तक मुझे खिलौने सा लगने लगा था।
और अब तो किरीगी भी मेरे वश में था।
तू बहुत भाग्यशाली है ध्रुव। दोस्त के हाथ से मौत बिरलों को मिलती है।
किरीगी! खत्म कर दे इसे! काट डाल।

ध्रुव को बचाने वाले वहां बहुत थे, हालांकि गोलियां किरीगी का कपड़ा तक न छेद पातीं।
फिर भी कुछ ने कोशिश तो की। लेकिन किरीगी का खड्‌ग उनसे ज्यादा तेज और धारदार था!
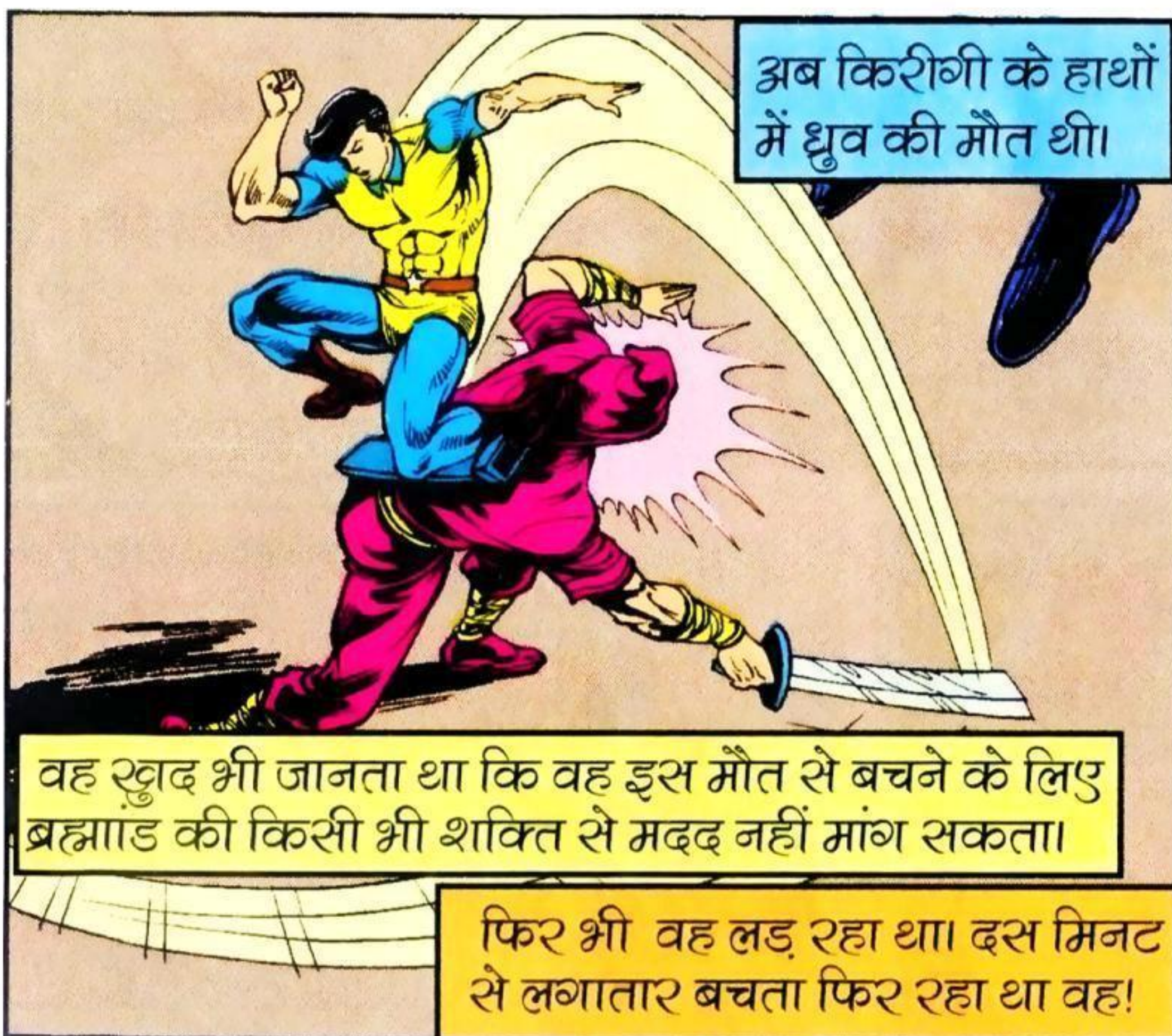
अब किरीगी के हाथों में ध्रुव की मौत थी।
वह खुद भी जानता था कि वह इस मौत से बचने के लिए ब्रह्मांड की किसी भी शक्ति से मदद नहीं मांग सकता।
फिर भी वह लड़ रहा था। दस मिनट से लगातार बचता फिर रहा था वह!

न जाने मरने से पहले उसे किस चीज का इंतजार था?
वह गहरी सोच में नजर आ रहा था।
मैं हालांकि अब उसका दिमाग पढ़ तो सकता था। पर ऐसा करते ही किरीगी मेरी मानसिक कैद से आजाद हो जाता और यह जोखिम मैं नहीं उठा सकता था।

और यहीं मैं मात खा गया।
अरे! य... यह क्या है?
तू बचेगा नहीं, चाहे यह न्यू-क्लियर मिसाइल ही क्यों न हो।
यह उससे भी बड़ी चीज है, महामानव!...

तुम्हारी ही शक्तियों से युक्त जानवर।
बस होश में आने के बाद अब यह मेरी बात सुन रहे हैं और मान भी रहे हैं
तू मेरा मैसेज बिल्कुल सही समझी, श्वेता!
फटाफट ट्रक में इन्हें ले आई!
थैंक्स!
थैंक्स रखो जेब में। मैं तो पापा मम्मी को बचाने आई थी।

इस महा टक्कर से होश में आए किरीगी ने अपने आपको संभाल लिया। यौगिक शक्ति का प्रवाह रुक गया।
अब मुझे फिर से यह बहाव शुरू करवाना था। पर...
...ध्रुव नाम की मुसीबत को खत्म करने के बाद।
वर्ना उसके टांग अड़ाते रहने का सिलसिला अंतहीन हो सकता था। शक्तियां बढ़ चुकी थीं मेरी अब!
अब मैं कुछ हद तक प्रकृति को भी नियंत्रित कर सकता था।
ध्रुव ने भागने की कोशिश तो की, पर बिजलियों का निशाना वह और सिर्फ वही था। और बिजलियों से वह शायद एक दो बार तो बच सकता था।
लेकिन ज्यादा देर तक नहीं, और यह बात वह भी जानता था।
इसीलिए शायद वह हेलीकॉप्टर में भागने की कोशिश में था।
अब उस पर ध्यान देने का काम बिजलियों का था।
मैं किरीगी से यौगिक ऊर्जा खींचने की धींगा मुश्ती में एक बार फिर से मस्त हो गया।

किरीगी शक्तिशाली तो जरूर था, पर मेरे जितना विकसित नहीं था। हारना तो हर हाल में उसी को था।
मैं उसकी शक्तियां खींचने में इतना मग्न हो गया था...
...कि मैंने एकदम अपनी बगल में आ चुके उस हेलीकॉप्टर पर ध्यान ही नहीं दिया था।
उसी पल एक कौंधती बिजली की लहर ने हेलीकॉप्टर को अपना निशाना बना लिया।
ध्रुव चीखा तो जरूर पर मौत की उस कड़कड़ाहट में उसकी आखिरी चीख दब कर रह गई। और अगले ही पल...
मैं भी चीख उठा। मेरी ही शक्ति से पैदा की गई बिजली से लिपटा हुआ वह हेलीकॉप्टर पूरे वेग से मुझसे आ टकराया था।
भयानक झटका लगा मुझे! दिमाग अंधेरे में डूबने लगा मेरा!
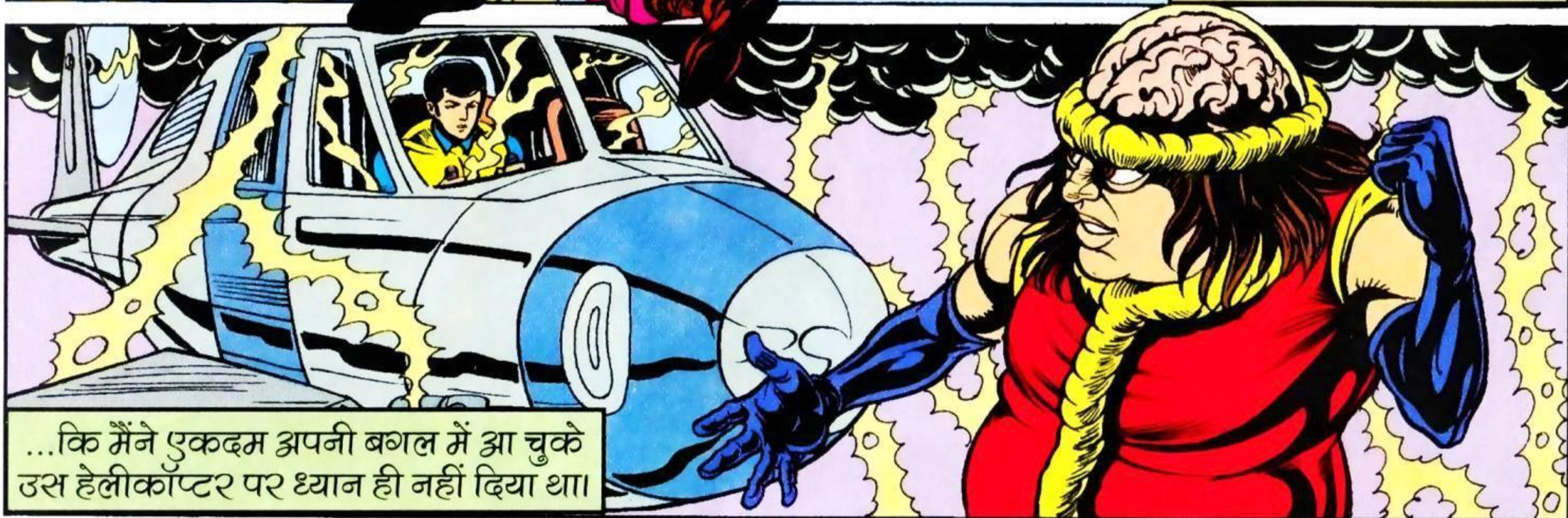
अपनी अंधेरे में डूबती आंखों से मैंने जो आखिरी दृश्य देखा वह हेलीकॉप्टर के फटने का था।
बिजली गिरने से खाक हो चुके ध्रुव का शरीर अब कणों में बदल चुका था।

किरीगी से भी मेरा संपर्क टूट गया था। जब मुझे होश आया...
तो मैं समुद्र तल से कई मीटर नीचे ठंडे पानी में था।
पानी का ठंडापन मुझे होश में ला रहा था।
किरीगी से खींची गई यौगिक ऊर्जा अब मेरे अंदर से गायब हो चुकी थी।
शायद किरीगी उसको मुझसे वापस लेने में सफल हो गया था।

पर मेरा सबसे बड़ा काम हो गया था। ध्रुव मेरे हाथों से खत्म हो चुका था।
मैं तो उत्तरी ध्रुव की ओर रवाना भी हो चुका था!
तब हवा में उड़ती मानसिक तरंगों से मुझे इस नौटंकी की खबर मिली।
अब बताओ, क्या करूं मैं तुम सब झूठों का?

श्रीमान महामानव के प्रश्न का उत्तर दो, बायोट्रॉन!
इनकी गवाही... अ...बयान अक्षरशः सत्य है।
देखा?
सिवाय एक तथ्य के महामानव जी। आपने ध्रुव को नहीं मारा।
क्या बकवास कर रहा है तू? गिरती बिजली के नीचे खड़ा होकर देख, फिर बोल! अगर बोल पाए तो!

आपका मस्तिष्क विकसित अवश्य है, श्रीमान!
पर वैज्ञानिक तथ्य इसमें से लापता है।

अगले महाखलनायक डॉक्टर वायरस! गवाही देने के लिए पधारें!